2022

HINDI

Paper : HIN–HC–6016

(हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता)

(Honours Core)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) पत्रकारिता की कोई एक परिभाषा दीजिए।

(ख) साहित्यिक तथा गैर-साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में निहित एक अंतर लिखिए।

(ग) 'हिन्दी प्रदीप' निम्नलिखित में से किस प्रकार की पत्रिका है?

दैनिक ; मासिक ; वार्षिक

(घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी के सम्पादकत्व में प्रकाशित पत्रिका का नाम क्या है?

(ङ) पत्रकारिता का मूल लक्ष्य क्या है?

(च) 'समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता' का क्या अर्थ है?

(छ) छायावाद-युगीन किसी एक साहित्यिक पत्रिका का नाम लिखिए।

(ज) साहित्यिक पत्रकार के किसी एक गुण का उल्लेख कीजिए।

(झ) 'समालोचना' पत्रिका के प्रथम सम्पादक कौन थे?

(ञ) पुस्तकों की साहित्यिक आलोचना का सूत्रपात किस पत्रिका के माध्यम से प्रारंभ हुआ था?

(ट) 'हिन्दी प्रदीप' का प्रथम प्रकाशन-काल क्या था?

(ठ) 'आनंद कादम्बिनी' के प्रथम सम्पादक कौन थे?

(ड) 'साप्ताहिक दिनमान' के प्रथम सम्पादक का नाम लिखिए।

(ढ) 'प्रतीक' पत्रिका का प्रकाशन निम्नलिखित में से किस युग के भीतर हुआ था?

छायावाद ; हालावाद ; प्रयोगवाद

(ण) आपकी दृष्टि से समकालीन साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में से किसी एक श्रेष्ठ पत्र-पत्रिका का नामोल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) साहित्यिक पत्रकारिता की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'बंगवासी' पत्रिका को 'भाषा गढ़ने की टकसाल' क्यों कहा गया था?

(ग) अंग्रेज सरकार के कलेक्टर ने शिक्षा-विभाग के लिए 'कविवचन सुधा' पत्रिका की खरीद पर क्यों रोक लगाई थी? कोई दो कारण लिखिए।

(घ) मासिक पत्रिका 'समालोचक' की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) प्रतापनारायण मिश्र तथा अम्बिकादत्त व्यास द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

(च) साहित्यिक पत्रकारिता में 'न छोड़ो तथा न जोड़ो' नियम का क्या तात्पर्य है?

(छ) 'जनसत्ता' पत्र का सामान्य परिचय दीजिए।

(ज) साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व के संदर्भ में किन्हीं दो बातों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×4=20

(क) भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'सरस्वती' का ऐतिहासिक महत्त्व क्या है, स्पष्ट कीजिए।

(ग) साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रेमचंद की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

(घ) भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारों के लक्ष्य क्या-क्या थे? क्या वे उसमें सफल रहे थे? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'धर्मयुग' पत्रिका की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(च) 'कविवचन सुधा' के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिए।

(छ) स्वातंत्र्योत्तर-कालीन कौन-सी हिन्दी पत्रिका आपको अच्छी लगती है? तर्क दीजिए।

(ज) ''महावीर प्रसाद द्विवेदी जी साहित्यिक भी थे, पत्रकार भी, उन्होंने पत्रिका के माध्यम से साहित्यिक गतिविधियों का नियंत्रण-निर्देशन किया था।'' प्रस्तुत उक्ति के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

(ग) भारतेन्दुयुगीन पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(घ) साहित्यिक पत्रकारिता के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) समकालीन हिन्दी की प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का परिचय दीजिए।

(च) द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता के सामने उपस्थित समस्याएँ क्या-क्या थीं, स्पष्ट कीजिए।

(छ) स्वतंत्रता के पश्चात् लगभग 30 सालों तक प्रकाशित 'साहित्य संदेश' के वैशिष्ट्यों पर प्रकाश डालिए।

(ज) भारतेन्दु को क्या हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र का अग्रदूत कहा जा सकता है? पक्ष अथवा विपक्ष में अपनी राय दीजिए।

(झ) "स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता के नाम पर कुछ यशोकांक्षी पत्रकार-साहित्यिक एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में व्यस्त हैं।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? सतर्क उत्तर दीजिए।

(ञ) साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्पादक की क्या-क्या भूमिकाएँ होती हैं, स्पष्ट कीजिए।

★★★